जीवन के सोलह संस्कार क्या होते है 16 संस्कारों की लिस्ट pdf दीजिये

वर्तमान में बहुत से ऐसे लोग है जिनको (जीवन) सनातन परम्परा के संस्कारों के बारे में जानकरी नहीं है इसलिए यहाँ उन संस्कारों को pdf सहित समझेंगे | श्रग्वेद में बताया गया है कि प्रत्येक मनुष्य (महिला, पुरुष) के जीवन में 16 संस्कार होते है जिसमें माँ के गर्भधारण से लेकर मृत्यु तक है |

16 संस्कार कौन- कौन से हैं :-

1- गर्वाधान संस्कार
2- पुंसवन संस्कार
3- सीमन्तोत्रयन संस्कार
4- जातकर्म संस्कार
5- नामकरण संस्कार
6- निष्क्रमण संस्कार
7- अत्रप्राशान संस्कार
8- चूड़ाकर्म संस्कार/मुंडन संस्कार
9- विद्यारंभ संस्कार
10- कर्णवेध संस्कार
11- यज्ञोपवीत संस्कार
12- वेदारम्भ संस्कार
13- केशान्त संस्कार
14- समावर्तन संस्कार
15- विवाह संस्कार
16- अंत्येष्टि संस्कार/ श्राद्ध संस्कार

गर्वाधान संस्कार:- जब एक महिला गर्व धारण के बाद माँ बनने के योग्य हो जाती है/ माँ बन जाती है इसे जीवन का पहला संस्कार कहा गया है |

पुंसवन संस्कार:- यह वह संस्कार है जब किसी के गर्भ में पल रहा बच्चा 3-4 महीने का हो जाता है/ थोडा बहुत इधर-उधर चलने लगता है यह दूसरा संस्कार है |

सीमन्तोत्रयन संस्कार:- यह वह संस्कार है जब बच्चा 8-9 माह का हो गया है, कभी भी इस दुनियां में आ सकता है यह तीसरा संस्कार है |

जातकर्म संस्कार:- इस संस्कार में, बच्चा माँ के गर्भ से बहार आ जाता है/ इसी कर्म में निर्धारण हो जाता है कि माँ के गर्भ से पुत्र आया या पुत्री,इसे जातकर्म संस्कार में रखा गया है |

नामकरण संस्कार:- इस संस्कार में पुत्र/ पुत्री का नामकरण होता है |

संस्कारों का वर्णन किस वेद में बताये गये है?

श्रग्वेद में, इनका वर्णन है, जोकि जीवन से पहले से लेकर मृत्यु तक 16 संस्कारों का वर्णन किया गया है |

माँ के गर्भ के दौरान कितने संस्कार होते है?

श्रग्वेद में बताया गया है कि, जब कोई बच्चा मां के गर्भ में रहता है उस दौरान तीन (गर्वाधान संस्कार, पुंसवन संस्कार, सीमन्तोत्रयन संस्कार) संस्कार होते है |

पहले और दूसरे संस्कारों के नाम बताइए?

1- गर्वाधान संस्कार
2- पुंसवन संस्कार